बालमन

Powered by Teachers of Bihar

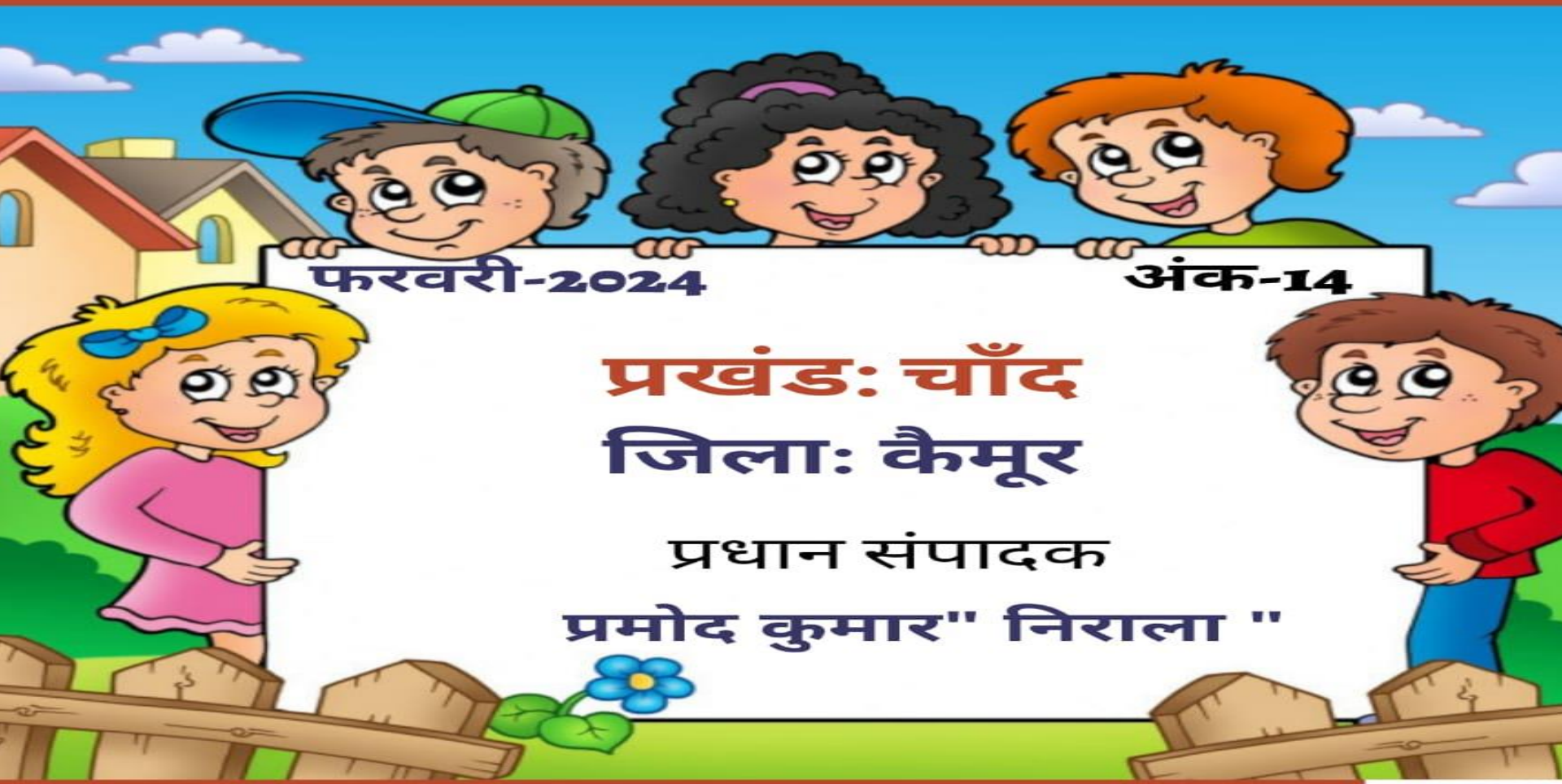

फरवरी-2024

अंक-14

प्रखंड: चाँद

जिला: कैमूर

प्रधान संपादक

प्रमोद कुमार" निराला "

ramod Kumar- +91 9661547325 Dheeraj Kumar- +91 9431680675

+91 7250818080 info@teachersofbihar.org |

wwww.teachersofbihar.org teachersofbihar@gmail.com

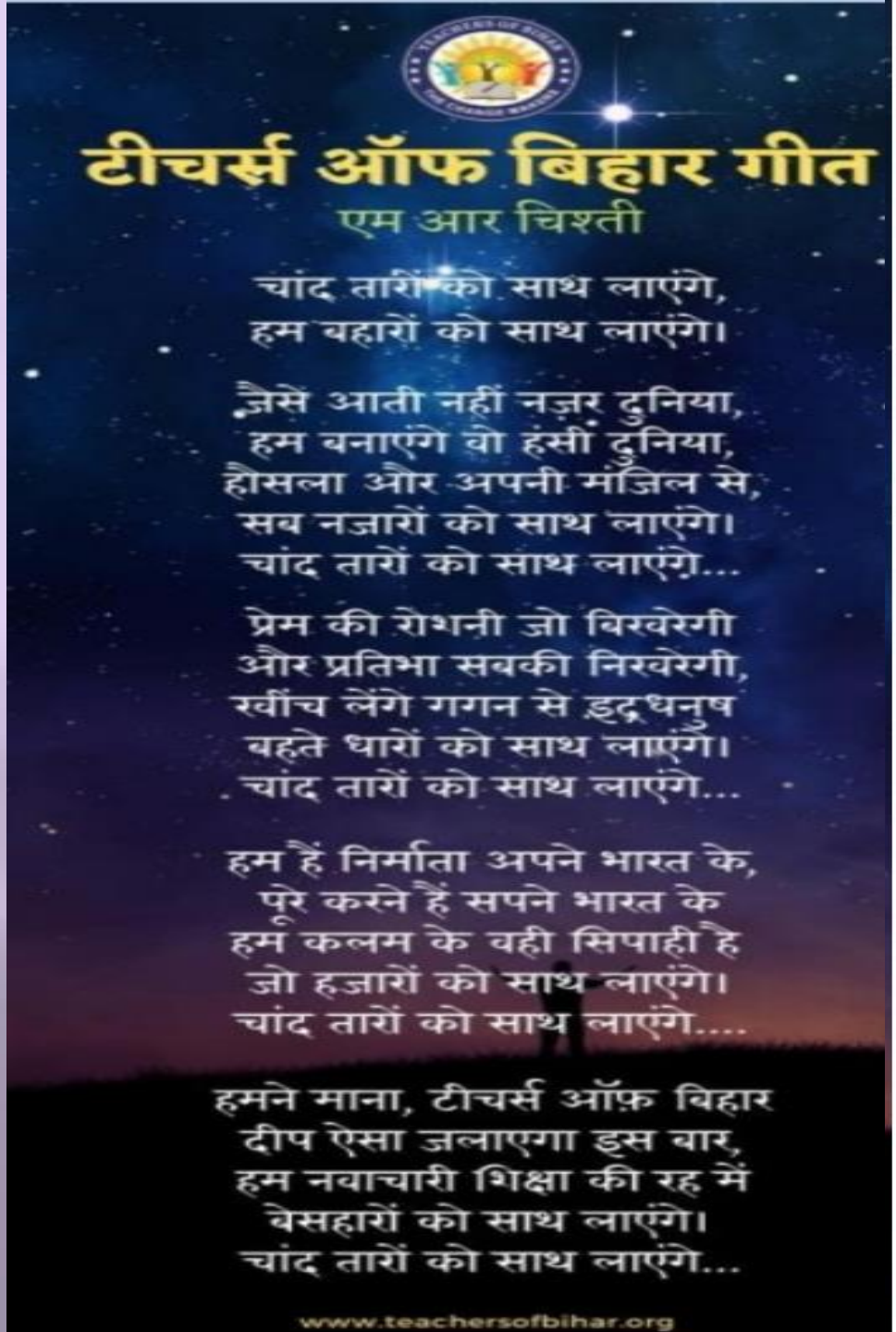

अभियान गीत

घर-घर अलख जगाएगें, हम बदलेंगे जमाना।।
निश्चय हमारा, ध्रुव सा अटल है।
काया की रग-रग में, निष्ठा का बल है।।
जागृति शंख बजायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।
बदली हैं हमने अपनी दिशायें।
मंजिल नयी तय, करके दिखायें।।
धरती को स्वर्ग बनायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
श्रम से बनायेंगे, माटी को सोना।
जीवन बनेगा, उपवन सलोना।।
मंगल सुमन खिलायेंगें, हम बदलेंगे जमाना।।
कोरी कल्पना की तोड़ेंगे कारा।
ममता की निर्मल, बहायेंगे धारा।।
समता की दीप जलायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,

(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उददेश्य से **"बाल मन कैमूर"** पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए **"बाल मन कैमूर"** के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

सादर नमस्कार

बालमन पत्रिका चतुर्दश:अंक को समर्पित करते हुए उम्मीद करते हैं कि आप सभी सकुशल और स्वस्थ होंगे।

आप सभी बच्चों की प्रतिभाएं दिन प्रतिदिन एक नया आयाम कायम कर विद्यालय,प्रखंड,जिला,राज्य और देश में प्रकाश बिखेर रही है ।आप सभी इसी प्रकार निरंतर रचनात्मक कला और नवाचार करते रहे। नि: संदेह आप सभी का कार्य सराहनीय तथा जिले की पहचान को अधिक प्रगाढ़ बनाएगा। आप अपनी कला को बालमन टीम तक जरूर पहुंचाएं। हमारे बालमन चांद टीम बेहतर से बेहतर कार्य करने के लिए सदा प्रयत्नशील है।

आप सबकी उज्जवल भविष्य की कामना के साथ।

प्रमोद कुमार

क.म.वि. चांद, कैमुर,बिहार

सहयोगी सदस्य

1.उदय पांडे, म.वि.चांद

2.मो.असलम,म.वि.चांद

3.प्रीति कुमारी,उ.म.वि.धोबहां

4.मीरा कुमारी,उ.माध्यमिक वि.भलुहारी

5.विनीता तिवारी, प्रा.वि.किशनपुरा

6.सुमन सिंह पटेल,क.म.वि.चांद

सहयोगी सदस्य की कलम से

प्यारे बच्चों,

नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ, देशभक्ति एवं रामभक्ति की भावना से ओत-प्रोत होते हुए, गणतंत्र दिवस की शुभकामनाओं के साथ,सभी देशभक्त, वीर जवानों की कुर्बानियों को याद करते हुए बालमन चांद पत्रिका अपने प्रथम वर्षगांठ कीओर अग्रसर हो रहा है। बड़े हर्ष के साथ कहना चाहती हूं कि आप सभी के स्नेह और प्रेम की बदौलत हमारा एक वर्ष का सफर पूर्ण हुआ ।

आपकी सोच आपकी प्रतिभाएं आपकी कलात्मक रचनाएं समाज को एक नई दिशा प्रदान कर रही है ।आपका कुछ कर दिखाने का जज्बा ही इस और इशारा करता है कि आज हमारा समाज बदल रहा है, बेहतर हो रहा है ,आपकी नई सोच, एक नया समाज का परिचायक है ।आप सभी तरह-तरह के अपने अंदर छुपी प्रतिभाओं को निखारते रहे।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ आपके उज्जवल भविष्य की कामना करती हूं।

प्रीति कुमारी
उ. म. वि.धोबहां,चांद,कैमुर

सहयोगी सदस्य की कलम से

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

बालमन चांद पत्रिका आज वर्ष पूरे एक वर्ष का हो गया है आप सभी बच्चों को धन्यवाद देते हुए कहना है कि आप सभी बच्चे फूलों की तरह मुस्कान बिखेरते हुए नित्य नवाचार करते रहे आप सभी के इस कार्य के लिए उत्सुकता, हर्षोल्लास को देखकर मन प्रसन्नचित हो जाता है। आप सभी रचनात्मक कला करते रहे इसमें आ रही समस्याओं को हम तक पहुंचाएं।साथ ही आप सभी से कहना चाहती हूं कि सभी बच्चे समय-समय पर हो रही प्रतियोगिता में जरुर भाग लें और अपने मित्रों को भी जागरुक करे ताकि सामाजिक सदभावना, प्रेम बना रहे। इसी शुभकामना के साथ आपके उज्जवल भविष्य की कामना करती हूं।

विनीता तिवारी

प्रा.वि.किशनपुरा, चांद

सहयोगी सदस्य की कलम से

प्यारे बच्चों,
नमस्कार
बालमन चांद में सभी बच्चों के स्वागत कर बड़े ही हर्षोल्लास से कहना चाहती हूं कि बालमन अपनी वर्षगांठ मना रहा है। आप सभी बच्चों के सहयोग से यह बालमन पत्रिका धीरे-धीरे अग्रसर हो रहा है। अब शीत ऋतु जाने को है, और बसंत ऋतु आने को है। आप सभी बच्चे फूलों के पराग की भांति खिलकर नया नवाचार करते हुए अपनी कला को हम तक पहुंचाएं।
इसी शुभकामना के साथ।
सुमन सिंह पटेल
क.म.वि.चांद

प्यारे बच्चों,
नमस्कार
आप सभी के लिए यह प्रसन्नता और गर्व की बात है कि बालमन चांद कैमूर पत्रिका का एक वर्ष पूरा हो गया है। आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हम यह कहना चाहते है कि आप सभी नवाचार करते हुए समय-समय पर आयोजित होने वाली कविताएं, चित्रकला या किसी भी प्रकार की प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपनी कल्पनाओं की उड़ान को साकार करके छुपी हुई प्रतिभा को निखारे।
इन्हीं शुभकामनाओं के साथ सदैव आपके साथ पग-पग पर हम सभी का सहयोग, आपके जीवन की कामयाबी की ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रयासरत रहेगा।
उज्जवल भविष्य की कामना के साथ
मीरा कुमारी
उ.माध्यमिक वि.भलुहारी

सहयोगी सदस्य की कलम से

प्यारे बच्चों,
नमस्कार
सभी बच्चे ठंड से बचाव करते ज्ञान रूपी प्रकाश को बिखरते हुए आपसी सहयोग, सदभावना, प्रेम-भाव रखते हुए आप सभी के द्वारा विद्यालय में निरंतर रचनात्मक कला एवं नवाचार करते रहे।बालमन चांद टीम आप सभी के सहयोग के लिए सदा तत्पर पर है।

इसी शुभकामना के साथ
उदय पांडेय
म.वि. चांद

प्यारे बच्चों,
नमस्कार
आप सभी बच्चे निरंतर रचनात्मक और नवाचार करते रहे साथ ही अपने अंदर के बाल कलाकार को बाहर आने दे। आप सभी भविष्य निर्माण कर्ता है,आप ही कल के भारत की तकदीर है,आप सभी आपसी प्रेम सद्भावना के साथ रहकर नवाचार करते रहे।
इसी शुभकामना के साथ ।

मो.असलम
म.वि. चांद

बिहार राज्य प्रार्थना गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

एम. आर. चिश्ती

www.teachersofbihar.org

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

जयंती विशेष

04 मार्च 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

लेखक के सम्प्रेषण में ईमानदारी है तो

रचना सशक्त होगी चाहे जिस विधा की हो।

फणीश्वरनाथ रेणु

(साहित्यकार)

जन्म: 04 मार्च 1921 मृत्यु: 11 अप्रैल 1977

राकेश कुमार

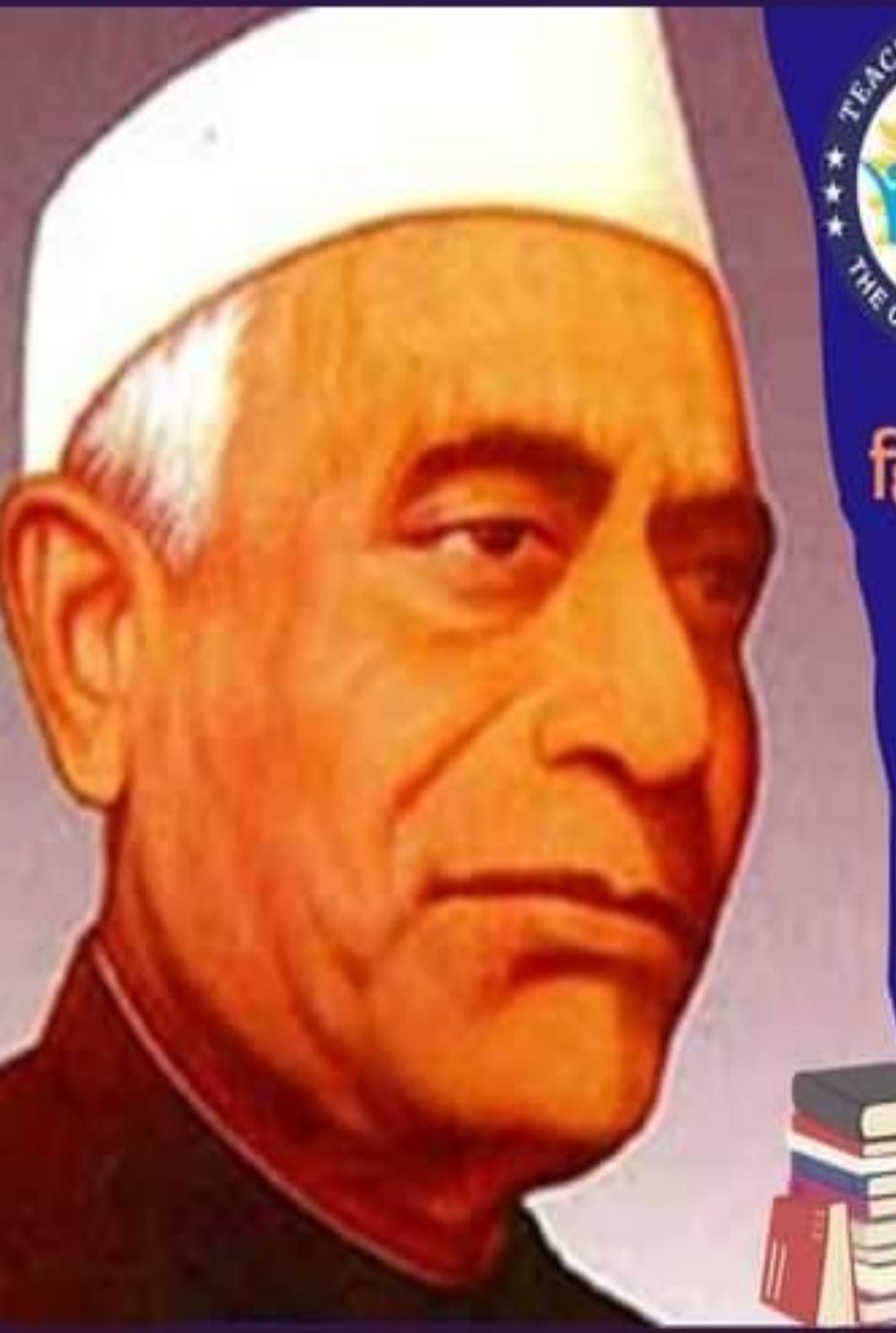

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

हिन्दी भाषा के पूर्व छायावादी युग के कवि

राम नरेश त्रिपाठी जी

की जयंती पर सादर नमन।

जन्म-4 मार्च 1889- मृत्यु-16 जनवरी 1962

www.teachersofbihar.org

Madhu priy

हिन्दी के प्रथम आंचलिक उपन्यासकार

फणीश्वरनाथ रेणु जी

की जयंती पर सादर नमन।

जन्म-4 मार्च 1921 - मृत्यु-11 अप्रैल 1977

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 04.03.2024

संप्रेषण कौशल

सम्प्रेषण शाब्दिक, लिखित या अशाब्दिक माध्यमों से विभिन्न संदेशों को प्रसारित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले विचारों या सूचनाओं के आदान-प्रदान को संदर्भित करता है। इस प्रकार, शिक्षार्थियों में संप्रेषण कौशल के विकास में सूचना का ऊर्ध्वाधर प्रवाह, शंकाओं को साझा करना और मानव मनोविज्ञान की समझ शामिल है ।

चेतना सत्र

उर्दू प्रा वि करवन्दिया चांद कैमुर

चेतना सत्र

उर्दू प्रा वि करवन्दिया चांद कैमुर

नन्हें कलाकार

उर्दू प्रा वि करवन्दिया चांद कैमुर

प्रा.वि.भेवार चांद कैमुर

नन्हें कलाकार

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

4 मार्च

मधु प्रिया

फणीश्वरनाथ 'रेणु' का जन्म 4 मार्च

रेणु जी हिन्दी के प्रथम आंचलिक उपन्यासकार हैं। उन्होंने अंचल-विशेष को अपनी रचनाओं का आधार बनाकर वहाँ के जीवन और वातावरण का सजीव अंकन किया है। इनकी रचनाओं में आर्थिक अभाव तथा विवशताओं से जूझता समाज यथार्थ के धरातल पर उभर कर सामने आता है। फणीश्वर नाथ ' रेणु ' का जन्म 4 मार्च 1921 को बिहार के अररिया जिले में फॉरबिसगंज के पास औराही हिंगना गाँव में हुआ था। उस समय यह पूर्णिया जिले में था। उनकी शिक्षा भारत और नेपाल में हुई। रेणु जी का बिहार के कटिहार से गहरा संबंध रहा है। पहली शादी कटिहार जिले के हसनगंज प्रखंड अंतर्गत बलुआ ग्राम में काशी नाथ विश्वास की पुत्री रेखा रेणु से हुई , हसनगंज के ही गांव महमदिया ग्राम में पद्मा रेणु की मायके हैं और रेणु जी के दो और पुत्री सबसे बड़ी कविता रॉय और सबसे छोटी वहीदा रॉय की शादी महमदिया और कवैया गांव में हुई है। प्रारंभिक शिक्षा फारबिसगंज तथा अररिया में पूरी करने के बाद रेणु ने मैट्रिक नेपाल के विराटनगर के विराटनगर आदर्श विद्यालय से कोईराला परिवार में रहकर की। इन्होने इन्टरमीडिएट काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से 1942 में की जिसके बाद वे स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। बाद में 1950 में उन्होंने नेपाली क्रांतिकारी आन्दोलन में भी हिस्सा लिया जिसके परिणामस्वरुप नेपाल में जनतंत्र की स्थापना हुई। पटना विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ छात्र संघर्ष समिति में सक्रिय रूप से भाग लिया और जयप्रकाश नारायण की सम्पूर्ण क्रांति में अहम भूमिका निभाई। 1952-53 के समय वे भीषण रूप से रोगग्रस्त रहे थे जिसके बाद लेखन की ओर उनका झुकाव हुआ। उनके इस काल की झलक उनकी कहानी तबे एकला चलो रे में मिलती है। उन्होने हिन्दी में आंचलिक कथा की नींव रखी। सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय, एक समकालीन कवि, उनके परम मित्र थे। इनकी कई रचनाओं में कटिहार के रेलवे स्टेशन का उल्लेख मिलता है।मैला आँचल फणीश्वरनाथ 'रेणु' का प्रतिनिधि उपन्यास है। यह हिन्दी का श्रेष्ठ और सशक्त आंचलिक उपन्यास है। नेपाल की सीमा से सटे उत्तर-पूर्वी बिहार के एक पिछड़े ग्रामीण अंचल को पृष्ठभूमि बनाकर रेणु ने इसमें वहाँ के जीवन का, जिससे वह स्वयं ही घनिष्ट रूप से जुड़े हुए थे, अत्यन्त जीवन्त और मुखर चित्रण किया है। फणीश्वर नाथ रेणु का निधन 11 अप्रैल 1977 को हुआ था।

Teachers of Bihar

The change makers

जयंती विशेष 04 मार्च

राकेश कुम

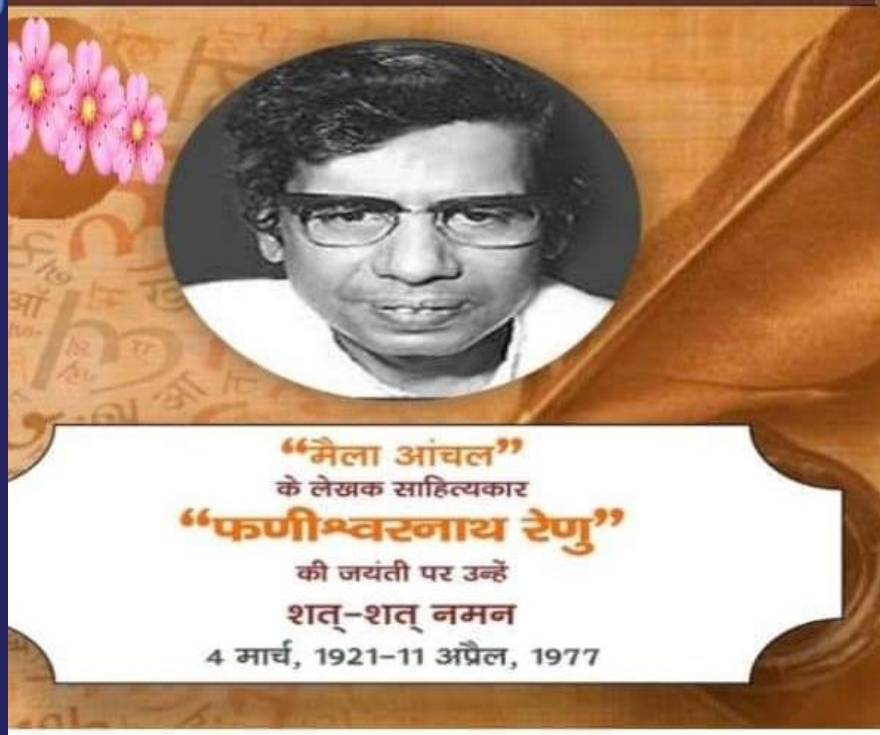

ीश्वरनाथ रेणु hanishwarnath 'Renu', जन्म: 4
1921 - मृत्यु: 11 अप्रैल, 1977) एक सुप्रसिद्ध हिन्दी
त्यकार थे। हिन्दी कथा साहित्य के महत्त्वपूर्ण रचनाकार
श्वरनाथ 'रेणु' का जन्म 4 मार्च 1921 को बिहार के पूर्णिया
के 'औराही हिंगना' गांव में हुआ था। रेणु के पिता शिलानाथ
संपन्न व्यक्ति थे। भारत के स्वाधीनता संघर्ष में उन्होंने भाग
था। रेणु के पिता कांग्रेसी थे। रेणु का बचपन आज़ादी की
ई को देखते समझते बीता।

पेन वह पेंसिल

प्रा.वि.सेन्दुरा चांद, कैमुर

पेन वह पेंसिल

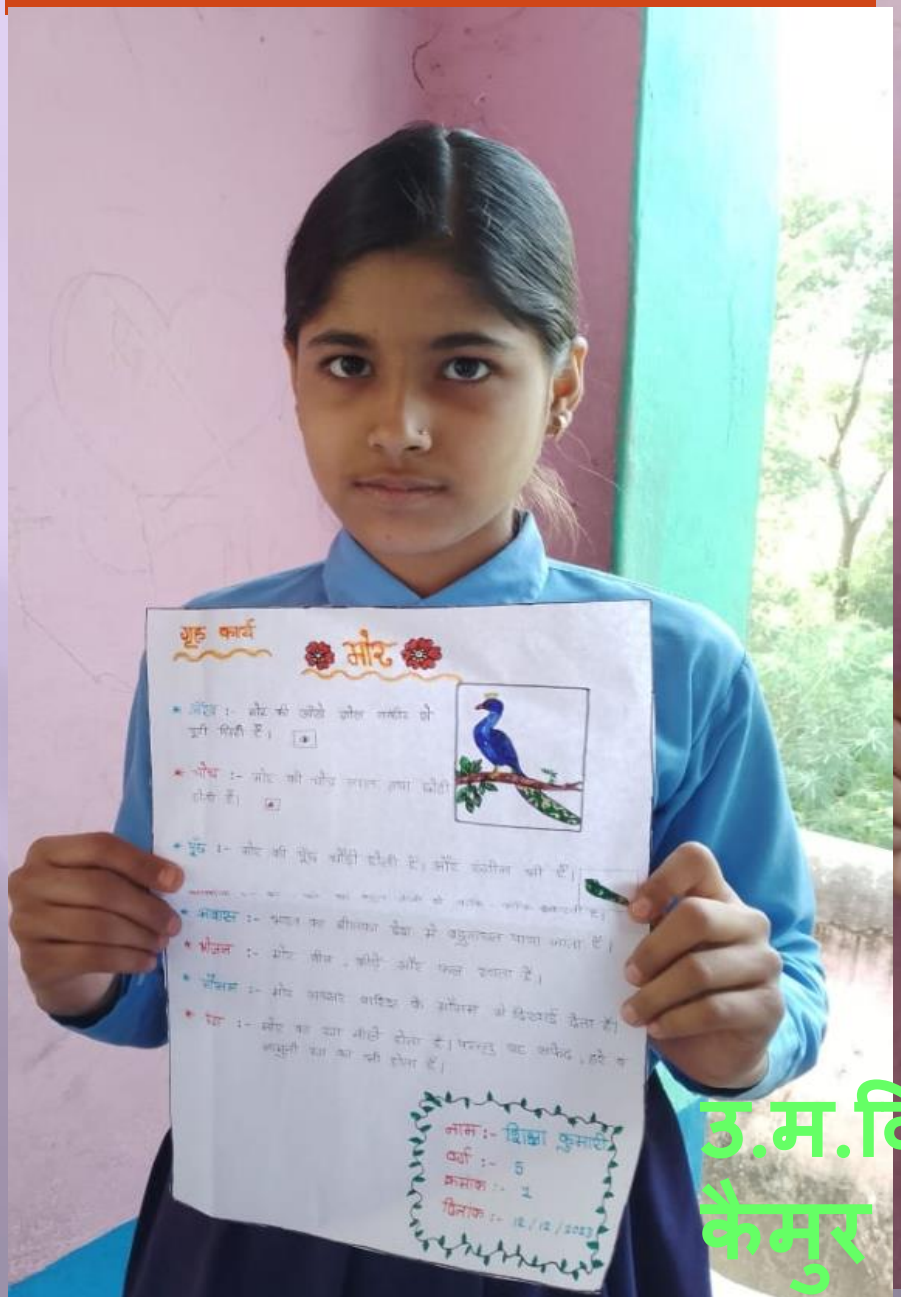

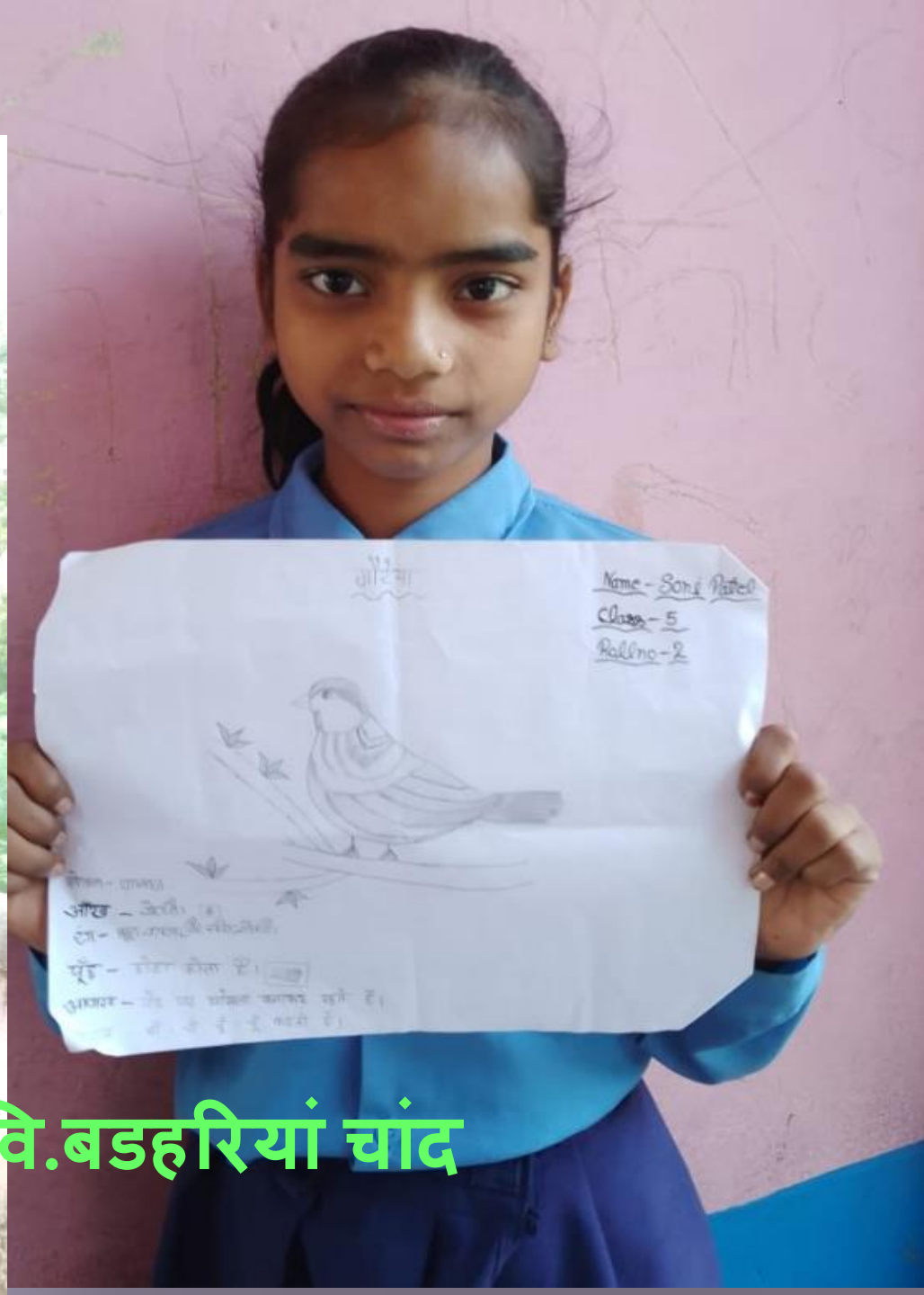

उ.म.वि.बडहरियां चांद
कैमुर

पेन वह पेंसिल

पर्दा नशीन प्रा वि
करवन्दिया चांद कैमुर

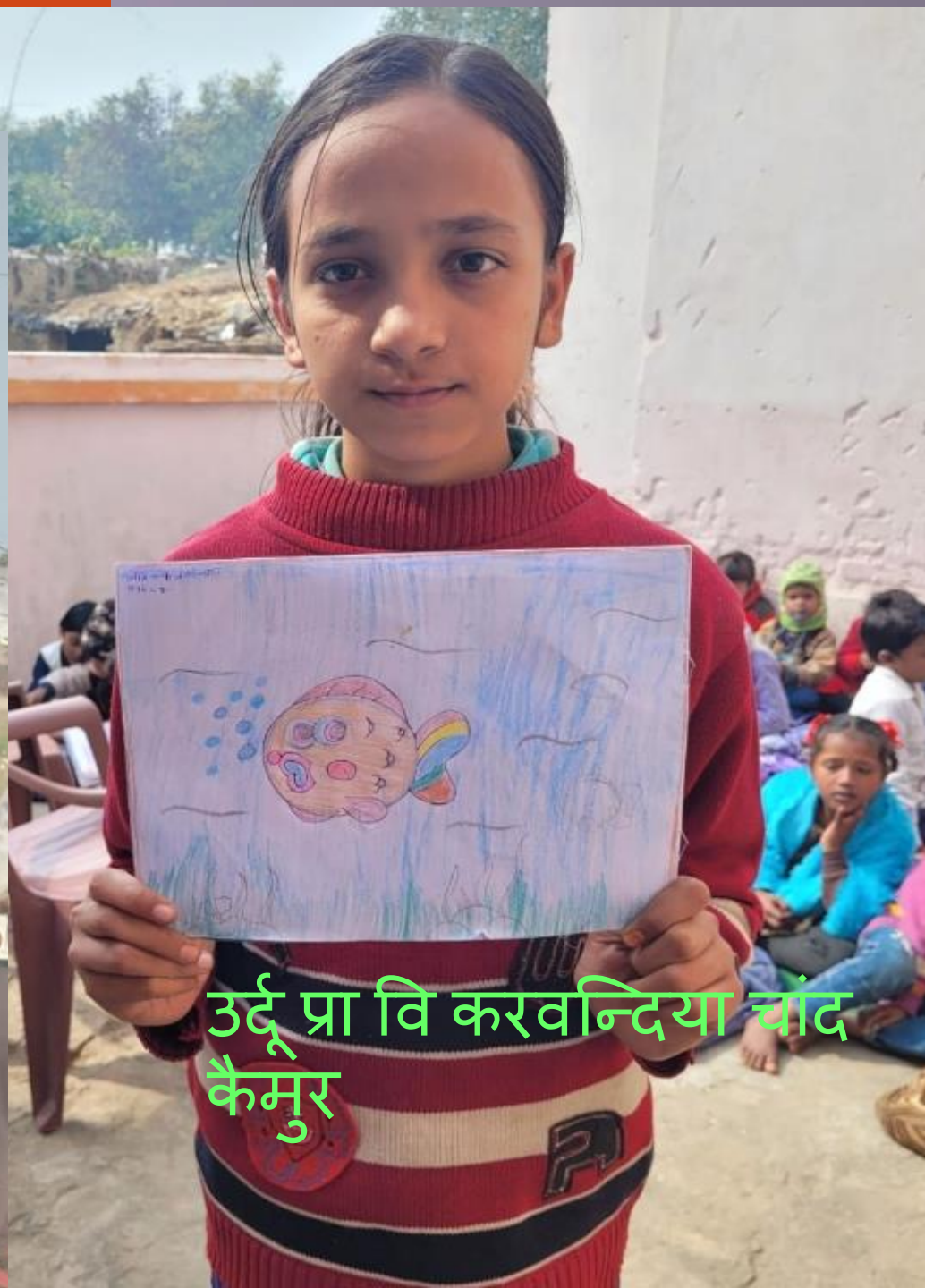

उर्दू प्रा वि करवन्दिया चांद कैमुर

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

Monday

04 मार्च

1. **फणीश्वरनाथ रेणु का जन्म–** फणीश्वर नाथ रेणु का जन्म 4 मार्च, 1921ई. को पूर्णिया जिले के औराही–हिंगना गांव में हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा अररिया एवं फारबिसगंज में हुई। इन्होंने 1942 ई. के आंदोलन में सक्रियता से भाग लिया और जेल–यातना भी झेली। उन्होंने प्रथम उपन्यास 'मैला आँचल' से ही लोकप्रियता और श्रेष्ठता के शिखर पर पहुँच गए। साहित्य सेवा के लिए भारत सरकार द्वारा पद्म श्री पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। उनकी उपन्यास 'मारे गए गुलफाम' पर 'तीसरी कसम' नामक फिल्म भी बनी। उनकी प्रमुख कहानियों में लाल पान की बेगम, ठेस, संवदिया आदि प्रमुख है।
   - **संदर्भ: किसलय भाग 3 पाठ 7 ठेस,** तथा **साहित्य भारती भाग 2, पाठ 4 संवदिया** पाठ से जोड़कर बच्चों के साथ चर्चा करें।
2. **लाला हरदयाल का निधन–** 4 मार्च, 1939 ई. में फिलाडेल्फिया, पेनसिल्वेनिया, संयुक्त राज्य अमेरिका में भारत के प्रसिद्ध क्रांतिकारी और गदर पार्टी के संस्थापक लाला हरदयाल का निधन हुआ था। 1910 में लाला हरदयाल सेन फ्रांसिस्को (अमेरिका) पहुंचे। वहां उन्होंने 'गदर' नामक पत्रिका निकाला। इसी के आधार पर पार्टी का नाम 'गदर पार्टी' रखा गया था। इस पत्रिका ने संसार का ध्यान भारत में अंग्रेजों के द्वारा किये जा रहे अत्याचार की ओर आकर्षित किया।
3. **राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस–** 4 मार्च, 1966 ई. को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (औद्योगिक संस्थानों की सुरक्षा) की स्थापना हुई थी। कार्य स्थलों को सुरक्षा बढ़ावा देने के लिए पूरे देश में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया जाता है।
4. **रामनरेश त्रिपाठी का जन्म–** हिन्दी भाषा के 'पूर्व छायावादी युग' के कवि रामनरेश त्रिपाठी का जन्म 4 मार्च, 1889 ई. को उत्तरप्रदेश के सुल्तानपुर जिले के ग्राम कोइरीपुर में हुआ था। 'बा और बापू' उनके द्वारा लिखा गया हिन्दी का पहला एकांकी नाटक था। वर्ष 1920–21 में हिन्दी के प्रथम एवं सर्वोत्कृष्ट राष्ट्रीय खण्डकाव्य 'पथिक' की रचना की। इसके अतिरिक्त 'मिलन' और 'स्वप्न' भी उनकी प्रसिद्ध रचनाएं हैं। 'स्वप्नों के चित्र' उनका पहला कहानी संग्रह है। 'कविता कौमुदी' के सात विशाल एवं अनुपम संग्रह–ग्रंथों का भी उन्होंने बड़े परिश्रम से सम्पादन एवं प्रकाशन किया।

"हे प्रभो आनंददाता! ज्ञान हमको दीजिए,
शीघ्र सारे दुर्गुणों को दूर हमसे कीजिए।
लीजिए हमको शरण में हम सदाचारी बनें,
ब्रह्मचारी, धर्मरक्षक, वीरव्रत धारी बनें।"

—रामनरेश त्रिपाठी

/teachersofbihar

Madhu priya

चहक

प्रा.वि.सोनांव चांद कैमर

चहक

उ.म.वि.चन्दा चांद कैमुर

चहक

उ.म.वि.चन्दा चांद कैमुर

चहक

न्यू प्रा वि किसनपुरा
चांद कैमुर
realme Shot on realme 9i 5G

realme Shot on realme 9i 5G

चहक

चहक

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस

4 मार्च

देशवासियों को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

कविता

गौरैया
सुबह सुबह चीं चीं करके
जग की जो नींद चुराती है
नन्हें नन्हें पंखों वाली
गौरैया कहलाती है ।

रहती हरदम साथ हमारे
मेरे घर के रोशनदान में
शीशे पर आकर बैठती
चुन-चुन कर दाने अनाज के ।

लाख करे मां जतन सफाई की
तिनके वो लाकर बिखेरती
घास-फूस औ तिनकों से
अपना नीड़ है स्वंय बनाती ।

संग हमारे फुदका करती
मुढ़ी चूड़ा चावल खाती
पापा जो बिस्किट हैं देते
वो बच्चों को देकर आती ।

बिजली के पंखें से टकराकर
घायल जब वो हो जाती है
उसके पंखों को सहलाती
मुनिया है अश्रुकण बहाती ।

गौरैया के लिए कटोरे में
हम जल रखना ना भूलें
पर्यावरण बचाना है तो
जीवन शृंखला सजा लें ।

चंदना दत्त
रांटी ,मधुबनी ,बिहार

हेलमेट

ज्ञान की बात नहीं यह कोई
अनुभव तुम्हें सुनाती हूं,
जीवन की रक्षा हेतु
एक सरल उपाय बताती हूं ।

दो पहिए वाहन जो सुगम है
खूब प्रयोग हम करते हैं ,
पर उसके परम नियमो का
मान नहीं हम रखते हैं ।

' हेलमेट' ही वह उपयुक्त यंत्र है
जिससे जीवन की रक्षा होती है,
हेलमेट के कारण सबके
सिर की रक्षा होती है।

यातायात का नियम तो है ही ।
यह एक सुरक्षा चक्र भी है ,
इस हेलमेट के कारण ही बड़ी दुर्घटनाओं का
अंत भी है।

गलती करके मैंने सीखा
अब मैं सबको सिखलाऊंगी।
हेलमेट से है बड़ी सुरक्षा
यह संदेश सुनाऊंगी।

प्यारे बच्चों और मेरे साथी
घर-घर संदेश फैलाना है ,
सड़क सुरक्षा के नियमों को,
जन-जन तक पहुंचना है।

खुशबू कुमारी
उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा
भभुआ कैमूर बिहार

कहानी

जीवन एक प्यार या नफरत

एक छोटा बच्चा सोनू अपनी मां से नाराज होकर चिल्लाने लगा।मां"मैं तुझसे नफरत करता हूं"। उसके बाद पापा की मार खाने के डर से, घर से भाग गया। कुछ दूर जाने के बाद पहाड़ियों के पास जाकर चीखने लगा। मां,मैं तुझसे नफरत करता हूं, मां,मैं तुझसे नफरत करता हूं। और वही आवाज सोनू को सुनाई देने लगी। मां ,मैं तुझसे नफरत करता हूं, मां, मैं तुझसे नफरत करता हूं। सोनू ने ऐसी आवाज पहले कभी नहीं सुनी थी वह डर गया। डर कर वापस अपने घर चला गया। जाकर उसने अपनी सब बातें मां से बताई। सोनू की मां-सोनू की दास्तान समझ गई। सोनू के मां ने कहा कि फिर उसी पहाड़ी पर जाकर तुम चिल्ला कर बोलना। मैं तुमसे प्यार करता हूं ,मां,।मैं तुमसे प्यार करता हूं, मां। फिर सोनू उस पहाड़ी पर गया जाकर चिल्लाने लगा मैं तुमसे प्यार करता हूं मां, मैं तुमसे प्यार करता हूं मां ।वही आवाज गूंजी। इस घटना को सोनू ने आकर मां को बताई। सोनू की मां ने सोनू को बताया जो हम दूसरे को देते हैं वही हमें मिलता है।

सीख- हमारा जीवन भी उसी आवाज की तरह है। जो हम किसी को देते हैं हमें भी वही मिलता है।

प्रमोद कुमार निराला
क.म.वि. चांद, कैमुर,बिहार

फोटो आंफ द मंथ

कृति गुप्ता, वर्ग -8
उ.म.वि.दुगुथुआ
चांद, कैमुर

प्रा.वि.भेवार चांद कैमुर

फोटो आंफ द मंथ

Teachers of Bihar

The change makers

गुणकारी फल

नाशपाती

मुझमें विटामिन सी, विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स, के, खनिज, पोटेशियम, फेनोलिक यौगिक, फोलेट, फाइबर, कॉपर, मैंगनीज, मैग्नीशियम आदि पाया जाता है।

Anu priya

दूसर प्रखंड आपन जिला

उ.मा.वि.नरहन
रामगढ़, कैमूर

दुसर प्रखंड आपन जिला

दुसर प्रखंड आपन जिला

दुसर प्रखंड आपन जिला

दुसर प्रखंड आपन जिला

दुसर जिला आपन राज्य

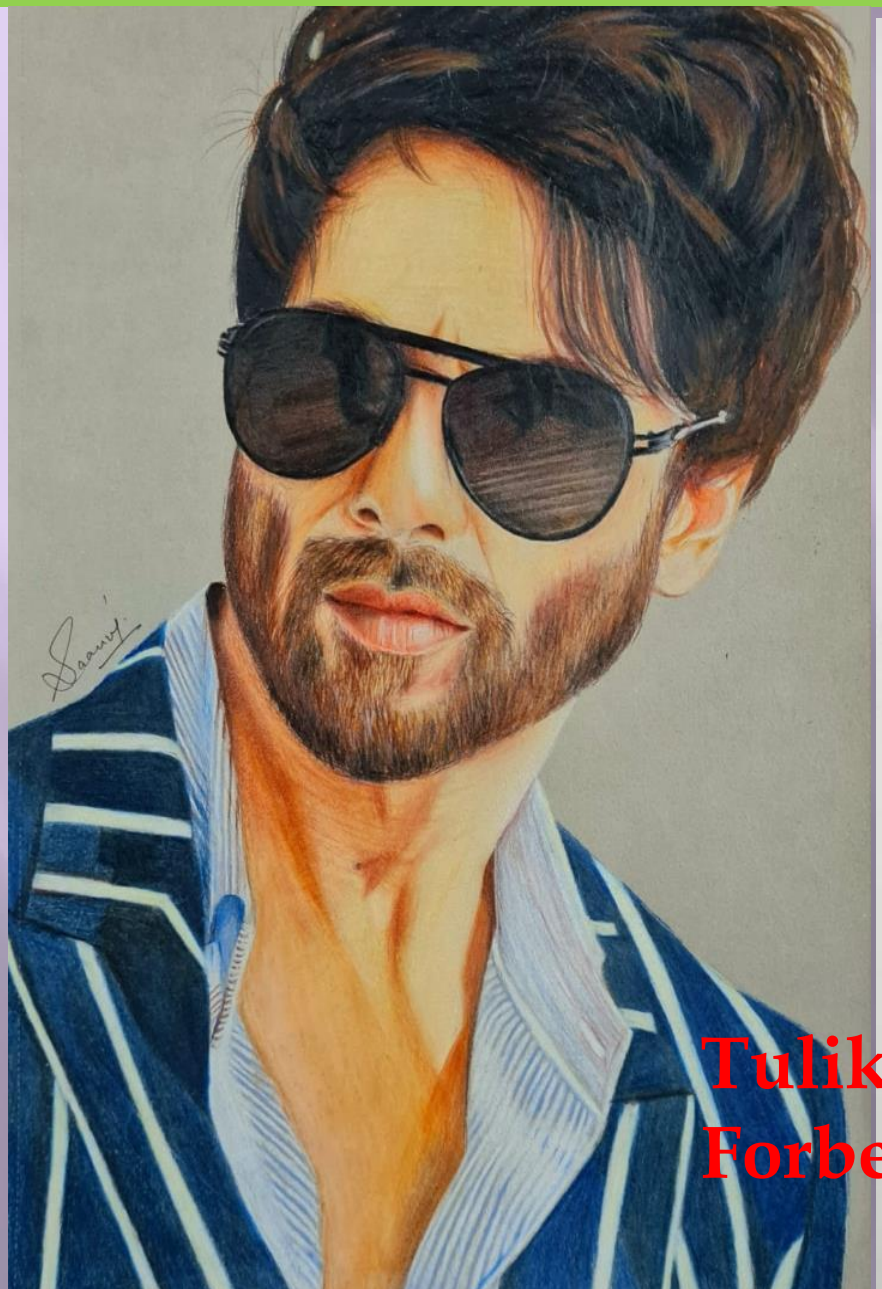

Tulika art
Forbesganj

दुसर जिला आपन राज्य

एकता कुमारी, दरभंगा

दुसर जिला आपन राज्य

दुसर जिला आपन राज्य

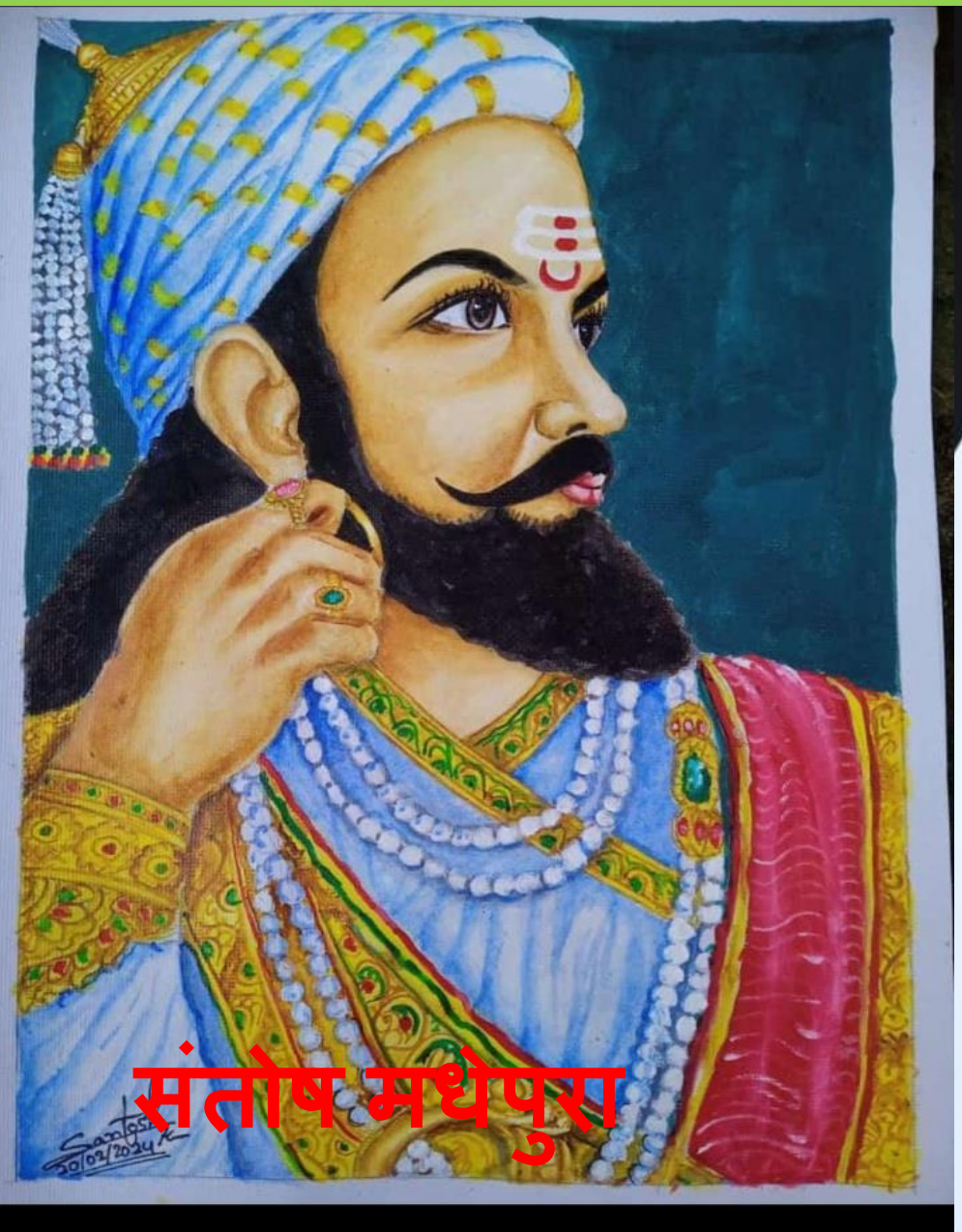

खेल शब्दावली

क्रिकेट से जुड़े शब्दावली-

चाइना मैन, बॉलर, बैट्समैन, थर्ड मैन,फील्डर,विकेट, विकेट कीपर, चौका, छक्का, कैच, मिड ऑन, मिड विकेट,लॉग ऑन ,लॉग ऑफ ,सिली प्वाइंट, कवर प्वाइंट, फाइन लेग, स्क्वायर लेग , गली, एशेज, एल.बी. डब्ल्यू ,हिट विकेट,रन आउट ,रबर, बेल्स, बैट, वाइड, डेड बॉल, स्विंग,, स्विंग मेडन ,फॉलोआन, थ्रो, ओवर थ्रो, कवर, कवरड्राइव, स्ट्रोक, ऑफ स्पिनर,शॉर्ट पिच, राउंड द विकेट,ओवर द विकेट, स्लिप, हुक, पॉरिंग क्रीज, वाइड, हिट, डकवर्थ लुइस, सुपर ओवर, पैड आदि

फुटबॉल से जुड़े शब्दावली –

गोल, किक, हेड, पेनल्टी किक, ड्रिबल, ऑफसाइड, हैट ट्रिक, फाउल, लेफ्ट आउट, राइट आउट, स्टॉपर, डिफेंडर, मूव, साइड बैक, पास, बेसलाइन, रिबाउंड, कॉमर बिक ,रेफ्री, फुलबैक, हाफबैक, हैंडबॉल, हैंडबॉल फॉल्ट,किक, फ्री किक, पेनल्टी, टाई ब्रेकर, स्वीपर, थ्रो इन आदि

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग

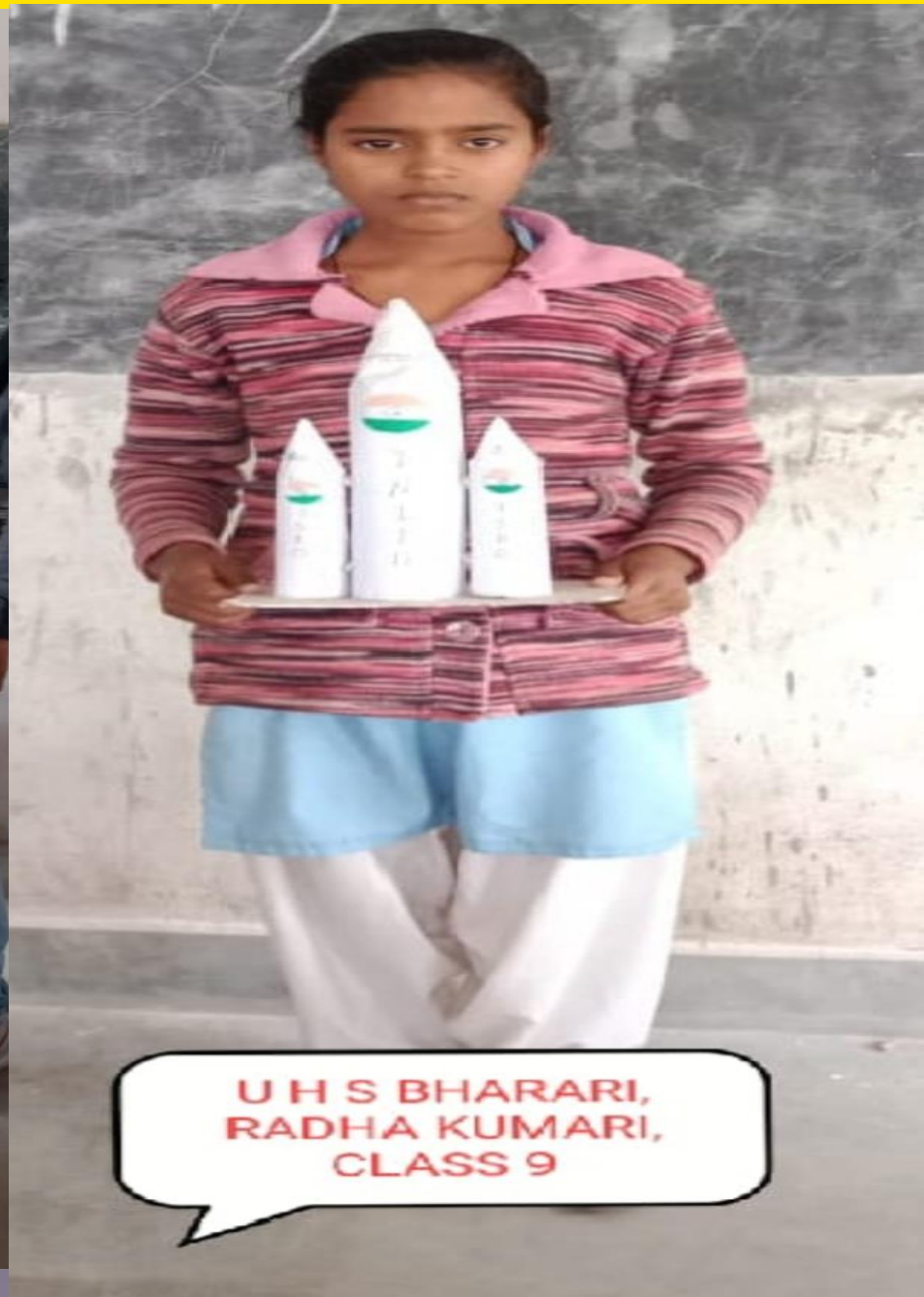

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग

उ.उ.मा.वि.भसारी
चांद कैमुर

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग

उ.म.वि.किलनी चांद, कैमुर

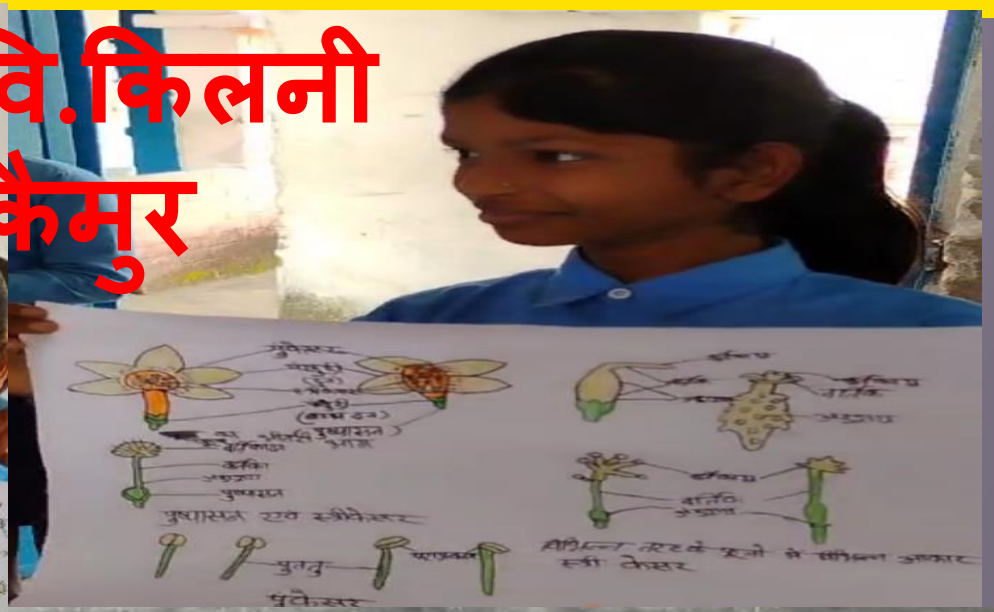

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग

हाथ धुलाई

उर्दू प्रा वि करवन्दिया चांद कैमुर

पढ़ता बिहार बढ़ता बिहार

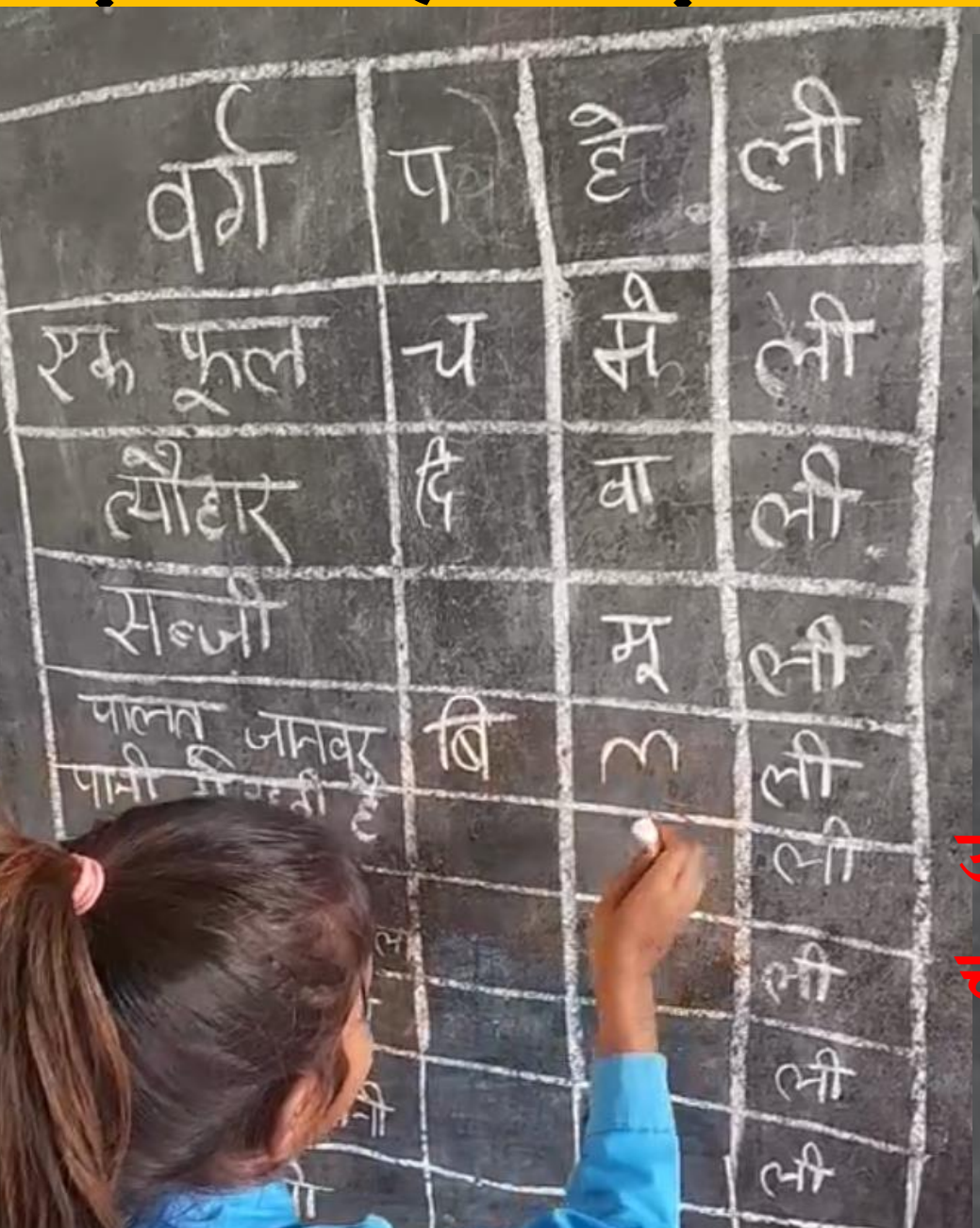

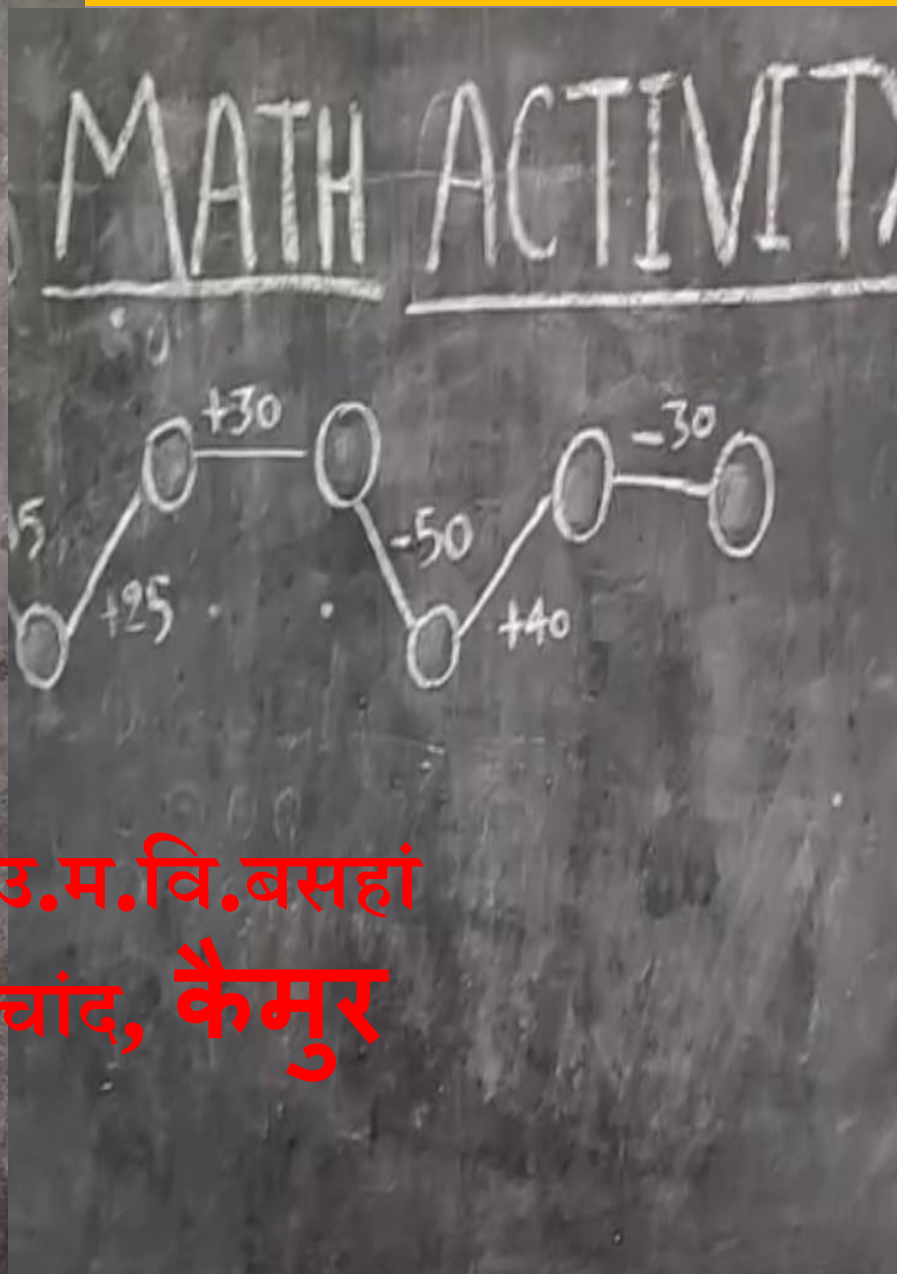

उ.म.वि.बसहां

चांद, कैमुर

पढ़ता बिहार बढ़ता बिहार

उ.म.वि.बसहां

चांद, कैमुर

पढ़ता बिहार बढ़ता बिहार

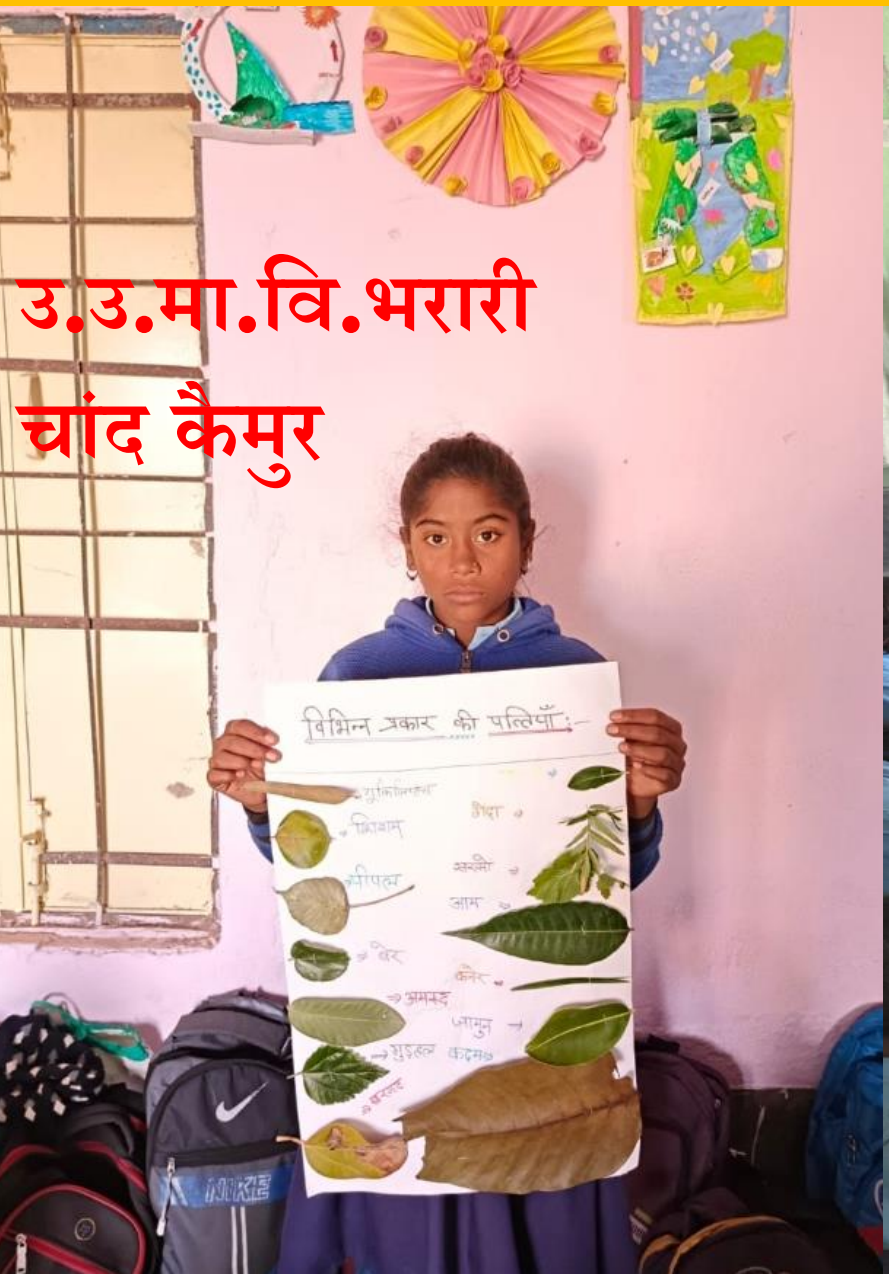

उ.उ.मा.वि.भरारी
चांद कैमुर

उ.म.वि.बसहां
चांद,कैमुर

कलाकृति

न्यू प्रा वि भैरी चांद
कैमूर

कलाकृति

विज्ञान की तरफ मेरे कदम

उ.उ.वि.भलुहारी
चांद, कैमुर

उ.म.वि.पाढी
चांद, कैमुर

विज्ञान की तरफ मेरे कदम

उ.उ.वि.भलुहारी
चांद, कैमुर

विज्ञान की तरफ मेरे कदम

उ.म.वि.पाढी
चांद, कैमुर

विज्ञान की तरफ मेरे कदम

उ.उ.मा.वि.भरारी

चांद कैमुर

सुरक्षित शनिवार

पर्दा नशीन प्रा वि करवन्दिया

चांद कैमुर

मेरी उड़ान

मेरी उड़ान

मेरी उड़ान

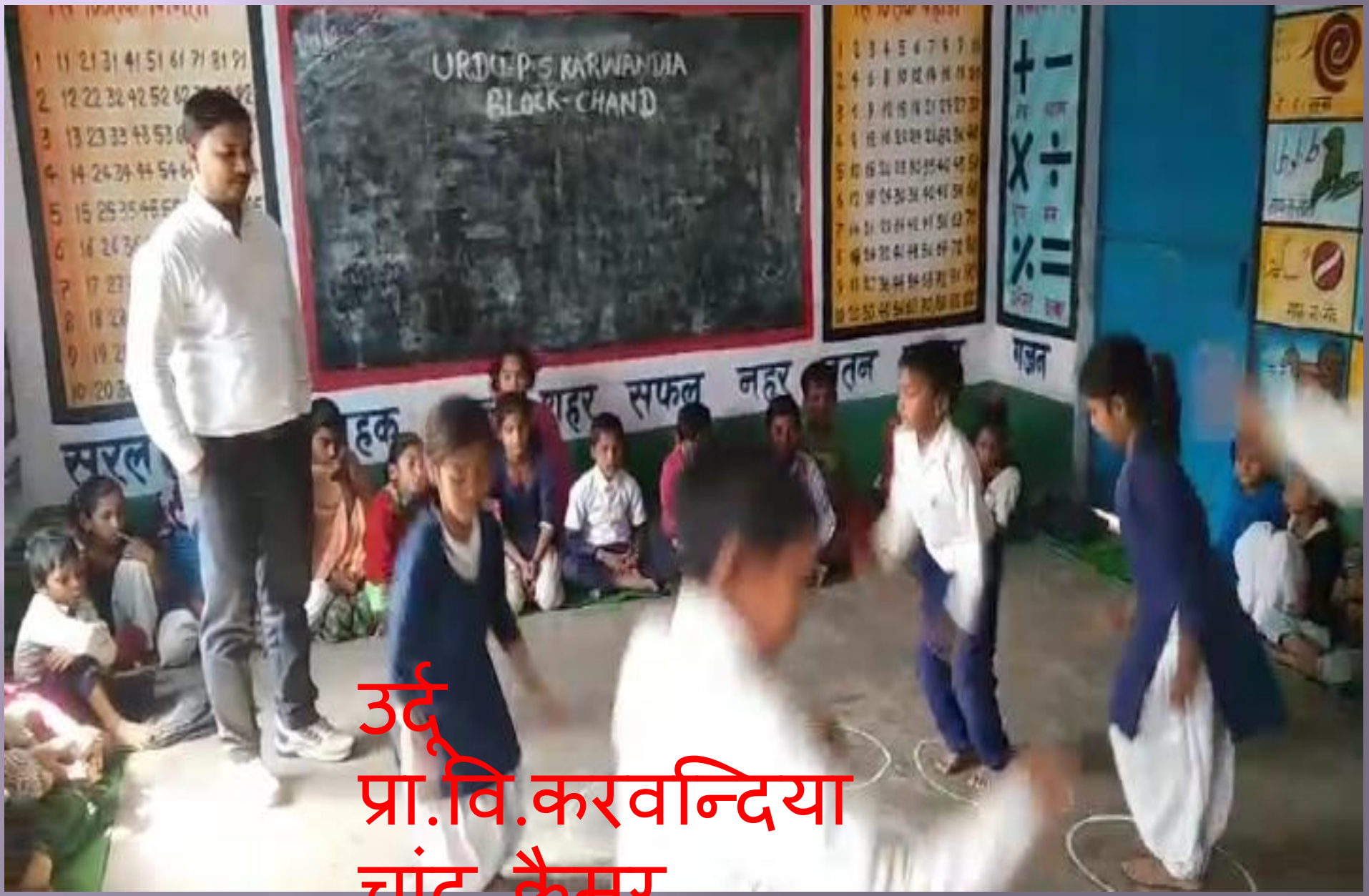

उर्दू
प्रा.वि.करवन्दिया
चांद, कैमूर

मेरी उड़ान

मेरी उड़ान

उर्दू प्रा.वि.करवन्दिया
चांद, कैमुर

मेरी सोच

उ.म.वि.गेहुंआ
चांद, कैमुर

प्रोत्साहन सम्मान

उर्दू प्रा.वि.करवन्दिया
चांद, कैमुर

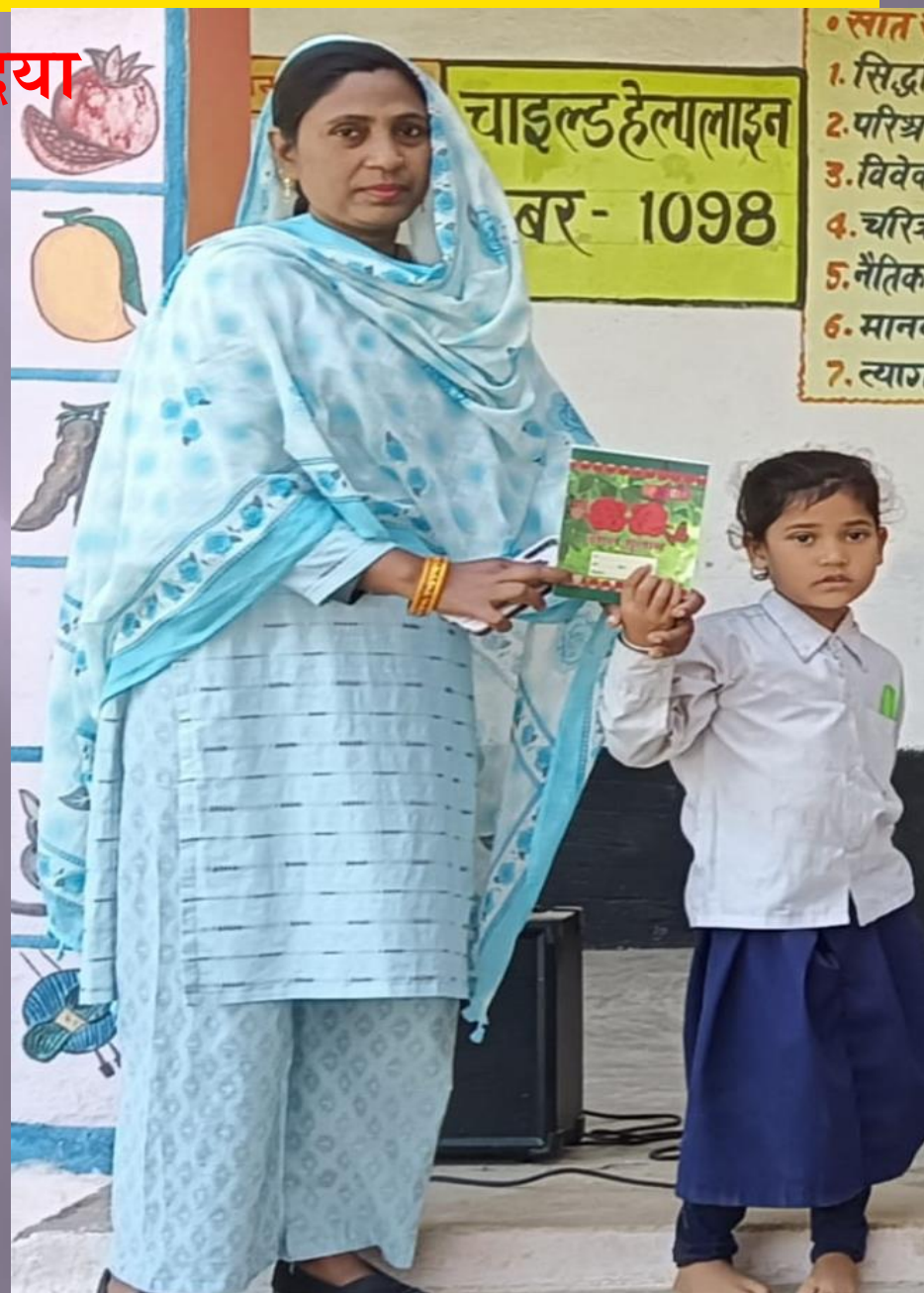

प्रोत्साहन सम्मान

उर्दू प्रा.वि.करवन्दिया
चांद, कैमुर

महत्वपूर्ण दिवस

1 फरवरी- भारतीय तटरक्षक दिवस

2 फरवरी- विश्व आर्द्र भूमि दिवस

4 फरवरी- विश्व कैंसर दिवस

10 फरवरी- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

14 फरवरी- वैलेंटाइन डे

28 फरवरी- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

बालमन टीम चांदकेमूर

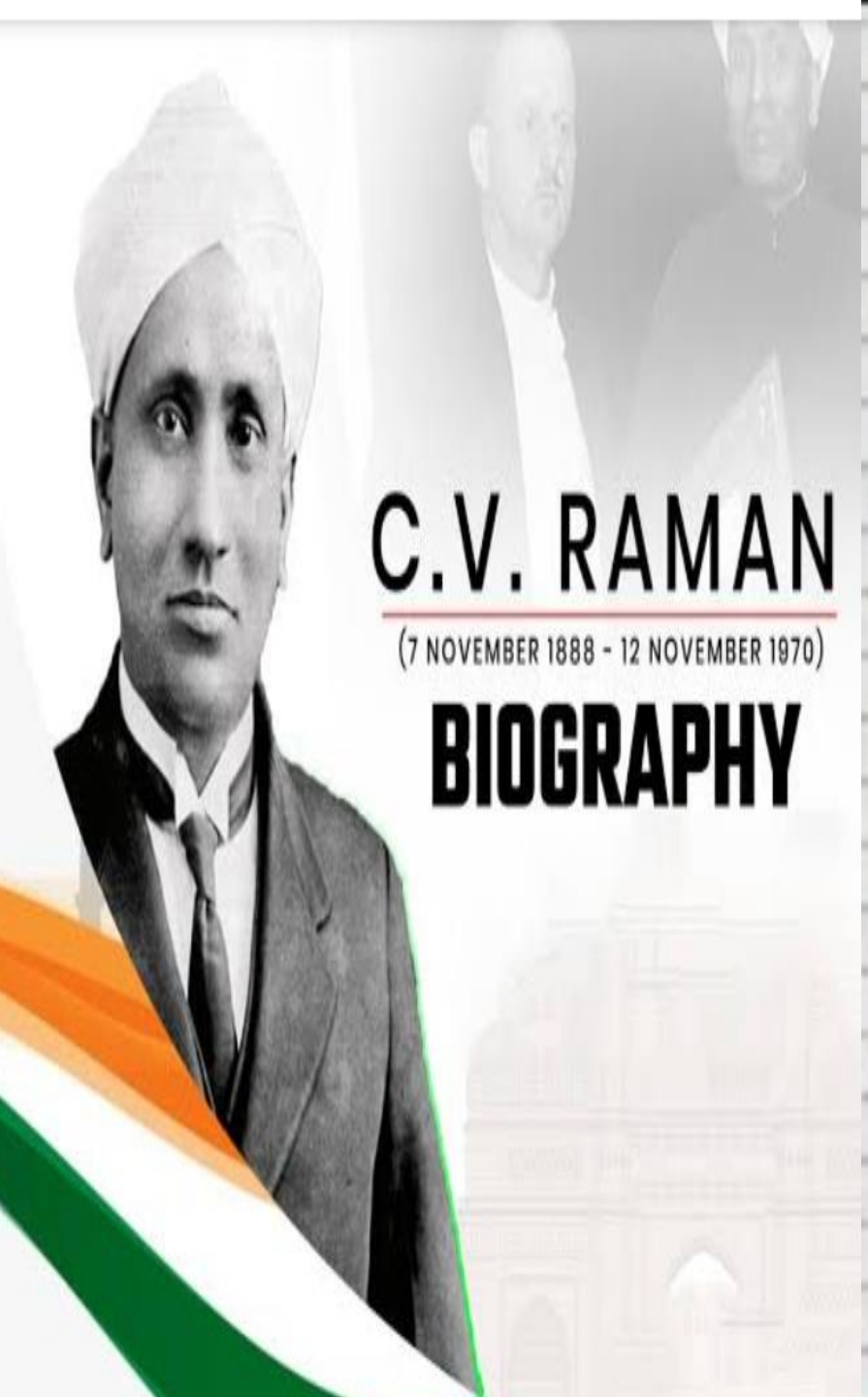

सी. वी. रमन

सी वी रमन भारत के महान वैज्ञानिक थे। वे पहले भारतीय तथा एशियाई व्यक्ति थे ; जिन्हें विज्ञान के क्षेत्र में 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह सम्मान उन्हें अपने एक महत्वपूर्ण आविष्कार 'रामन प्रभाव' के लिए दिया गया था। उनका जन्म 7 नवंबर 1888 को तमिलनाडु राज्य के तिरुचिरापल्ली में हुआ था। उनके पिता का नाम चंद्रशेखर अय्यर और माता का नाम पार्वती अम्माल था। उनका पूरा नाम चंद्रशेखर वेंकट रमन था। सी. वी. रमन के पिता चंद्रशेखर अय्यर गणित तथा भौतिक शास्त्र के अध्यापक थे और माता पार्वती अम्माल एक गृहिणी थी। सी. वी. रमन बचपन से ही बहुत प्रतिभाशाली और मेधावी छात्र थे।

आप अपने सुझाव और जवाब मोबाइल 9661547325 पर दे सकते है।

Thank you